प्रश्न–पत्र की योजना 2023–24

कक्षा – 10^{th}
विषय – हिन्दी
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	09	11.25
2.	अवबोध	44	55.00
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	23	28.75
4.	कौशल / मौलिकता	04	05.00
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	12	1	12	15	23.08	18
2.	रिक्त स्थान	06	1	06	7.5	11.54	09
3.	अतिलघुत्तरात्मक	20	1	20	25	38.46	36
4.	लघुत्तरात्मक	07	2	14	17.5	13.46	38
5.	दीर्घउत्तरीय	02	3	06	7.5	3.85	24
6.	निबंधात्मक	4	4	16	20	7.69	50
		1	6	6	7.5	1.92	20
	योग	52		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभर	प्रतिशत
1	क्षितिज	34	42.5
2	कृतिका	10	12.5
3	अपठित	12	15
4	व्यवहारिक व्याकरण	10	12.5
5	पत्र	4	5
6	विज्ञापन	4	5
7	निबंध	6	7.5

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा –10th　　　　विषय :– हिन्दी　　　　पूर्णांक – 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति						कौशल / मौलिकता						योग
		वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	क्षितिज गद्य	1(1)						3(3)		4(4)	4(2)	2(1)						3(1)								17(12)
2	क्षितिज पद्य	1(1)						3(3)		4(4)	4(2)	2(1)						3(1)								17(12)
3	कृतिका	2(2)																	7(2)						1(-)	10(4)
4	अपठित गद्य									6(6)																6(6)
5	अपठित पद्य									6(6)																6(6)
6	व्यावहारिक व्याकरण		4(6)					2(2)	2(-)		2(1)															10(9)
7	पत्र																		3(1)						1(-)	4(1)
8	विज्ञापन																		3(1)						1(-)	4(1)
9	निबंध						1(-)												4(1)						1(-)	6(1)
	योग	4(4)	4(6)				1(-)	8(8)	2(-)	20(20)	10(5)	4(2)						6(2)	17(5)						4(-)	80(52)
	कुल योग	**9(10)**						**44(35)**						**23(7)**						**4(-)**						**80(52)**

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है　नोटः– कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतक है।

हस्ताक्षर

माध्यमिक परीक्षा, 2024
Secondary Examination, 2024
नमूना प्रश्न–पत्र
Model Paper
कक्षा – 10वीं
Class - 10^{th}
विषय – हिन्दी
Sub : Hindi

समय : 03 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिये सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड – अ
Section - A

1) निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। (12)

i) 'पंडिताइन' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है। (1)

अ) इन ब) आइन

स) आनी द) नी

ii) स्वच्छ' शब्द का सही सन्धि विच्छेद है। (1)

अ) स्व+छ ब) स्व+वच्छ

स) स्व+अच्छ द) सु+अच्छ

iii) 'भ्रमरगीत' की भाषा है। (1)

अ) अवधी ब) संस्कृत

स) उर्दू द) ब्रज

iv) 'अट नहीं रही' कविता में किसकी आभा का वर्णन हैं। (1)

अ) फागुन ब) श्रावण

स) चैत्र द) वैशाख

v) जय शंकर प्रसाद का जन्म हुआ था। (1)

अ) कानपुर ब) वाराणसी

स) हरिद्वार द) उज्जैन

vi) शिवधनुष तोड़ने वाले को परशुराम ने किसके समान अपना शत्रु माना है। (1)

अ) रावण ब) कंस

स) सहस्रबाहु द) यम

vii) शहर के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर किसकी प्रतिमा लगी थी ? (1)

अ) नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ब) महात्मा गाँधी

स) रानी लक्ष्मी बाई द) सरदार वल्लभ भाई पटेल

viii) 'यही सच है' कहानी संग्रह के लेखक हैं ? (1)

अ) यशपाल ब) यतीन्द्र मिश्र

स) मन्नू भंडारी द) रामवृक्ष बेनीपुरी

ix) 'लखनवी अंदाज' लेख के माध्यम से कवि ने किस पर व्यंग्य किया है ? (1)

अ) कवियों पर ब) नयी कहानी के लेखकों पर

स) नवाबों पर द) स्वयं पर

x) मानव संस्कृति है– (1)

अ) विभाज्य ब) अविभाज्य

स) विनाशकारी द) प्रलयंकारी

xi) मेहनतकश बादशाहों का शहर कहा गया है। (1)

अ) गंतोक ब) जयपुर

स) लखनऊ द) हैदराबाद

xii) पिताजी 'तारकेश्वर' को प्यार से कहकर बुलाते थे। (1)

अ) नेमिनाथ ब) भोलानाथ

स) बैद नाथ द) सोमनाथ

2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये। (6)

i) जिस क्रिया में दो कर्म प्रयुक्त होते हैं, उसे ..... क्रिया कहते हैं। (1)

ii) अविकारी शब्द को ही ..... कहते हैं। (1)

iii) ..... समास के दोनों पद समान रूप से प्रधान होते हैं। (1)

iv) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया या अव्यय शब्दों के साथ ..... जोड़कर विशेषण बनाए जाते हैं। (1)

v) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द ..... कहलाते हैं। (1)

vi) उपसर्ग वे शब्दांश हैं जो शब्द के ..... में जुड़कर शब्द के अर्थ को बदल देते हैं। (1)

3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखियें। (6)

यदि किसी राष्ट्र का समुचित विकास तथा उसके नागरिकों का सही व्यक्तित्व निर्माण करना हो तो उसकी शिक्षा का सोद्देश्य होना अनिवार्य है। शिक्षा वस्तुतः कोई पाठ्यक्रम या डिग्री प्राप्त करना भर नहीं है बल्कि जीवन में सतत चलने वाली प्रक्रिया है जो कुछ न कुछ सिखाती रहती है। शिक्षा से ही व्यक्ति और राष्ट्र के चरित्र का निर्माण होता है। यदि किसी देश की शिक्षा अच्छी होगी तो उसके नागरिको का चरित्र भी अच्छा होगा। गाँधीजी भी शिक्षा को चरित्र निर्माण के लिये अनिवार्य मानते थे। वे कहते थे शिक्षा का सही उद्‌देश्य चरित्र निर्माण होना चाहिये।

i) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)
ii) व्यक्ति और राष्ट्र का चरित्र निर्माण किसके द्वारा होता है ? (1)
iii) जीवन में सतत चलने वाली प्रकिया क्या है ? (1)
iv) राष्ट्र के विकास व नागरिकों के व्यक्तित्व निर्माण हेतु शिक्षा कैसी होनी चाहिये ? (1)
v) गाँधीजी के शिक्षा के विषय में क्या विचार थे ? (1)
vi) विनाश शब्द का विपरीतार्थक शब्द गद्यांश में से छाँटकर लिखिए। (1)

4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखियें। (6)

फूली सरसों ने दिया रंग,
मधु लेकर आ पहुँचा अनंग
वधू वसूधा पुलकित अंग–अंग
है वीर वेश में किन्तु कंत,
वीरों का कैसा हो वसन्त।

i) प्रस्तुत पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये ? (1)
ii) मधु लेकर कौन आया है ? (1)
iii) कंत किस वेश में है ? (1)
iv) वसुधा की तुलना किससे की गई है ? (1)
v) प्रस्तुत पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया गया है ? (1)
vi) फूली सरसों ने अपना कौनसा रंग दिया है ? (1)

खण्ड – ब
Section - B

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए। **(14)**

5) 'काशी संस्कृति की पाठशाला है।' नौबतखाने में इबादत पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

6) संस्कृति असंस्कृति में कब बदल जाती है ? (2)

7) संगतकार कविता का मूल भाव लिखिए। (2)

8) आत्मकथ्य कविता में कवि ने किन–किन बिम्बों का प्रयोग किया है ? (2)

9) लेखक को हिरोशमा के विस्फोट को प्रत्यक्ष देखकर कैसा अनुभव हुआ ? (2)

10) पत्थर तोड़ती पहाडिनों को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति हुई ? (2)

11) आंखे भर आना' मुहावरे का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग लिखिए। (2)

खण्ड – स
Section - C

12) निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। **(4)**

बार – बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर–गृहस्थी–जवानी–जिन्दगी सब कुछ होम कर देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिये बिकने के मौके ढूँढती है। दुखी हो गए। पंद्रह दिन बाद उसी कस्बे से फिर गुजरे। कस्बे में घुसने से पहले खयाल आया कि कस्बे की हृदय–स्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा। ..... क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया।..... और कैप्टन मर गया। सोचा, वहां रूकेंगे भी नहीं, पान भी नहीं खाएंगे, मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं।

i) लेखक दुखी क्यों हो गया ? (1)

ii) हालदार साहब कितने दिनों बाद कस्बे से गुजरे ? (1)

iii) सुभाष की मूर्ति की आँखों पर चश्मा क्यों नहीं था ? (1)

iv) लेखक आज वहाँ रूकना क्यों नहीं चाहता था ? (1)

अथवा

'उस समय तक हमारे परिवार में लडकी के विवाह के लिए अनिवार्य योग्यता थी–उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक। सन्' 44 में सुशीला ने वह योग्यता प्राप्त कर ली और शादी करके कोलकाता चली गई। दोनों बड़े भाई भी आगे की पढ़ाई के लिए बाहर चले गए। इन लोगों की छत्र–छाया हटते ही पहली बार मुझे नए सिरे से अपने वजूद का अहसास हुआ। पिताजी का ध्यान भी पहली बार मुझ पर केन्द्रित हुआ। लड़कियों को जिस उम्र में स्कूली शिक्षा के साथ–साथ सुघड गृहिणी और कुशल पाकशास्त्री बनाने के नुस्खे जुटाए जाते थे, पिताजी चाहते थे कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ। रसोई को वे भटियारखाना कहते थे और उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था।

i) लड़की के विवाह की कौनसी अनिवार्य योग्यता लेखिका ने बताई है ? (1)

ii) लेखिका को अपने वजूद का अहसास कब हुआ ? (1)

iii) सुशीला ने कौनसी योग्यता प्राप्त कर ली थी ? (1)

iv) पिताजी लेखिका को रसोई घर से दूर क्यों रखना चाहते थे ? (1)

13) प्रस्तुत पठित पद्यांश पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिये ? (4)

फसल क्या है ?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण–धर्म है
रूपान्तर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की चिरकन का।

i) प्रस्तुत पद्यांश में कवि किसके विषय में कह रहा है ? (1)

ii) फसल किसके हाथों के स्पर्श की महिमा है ? (1)

iii) 'रूपान्तर है सूरज की किरणों का' पंक्ति का आशय लिखिये। (1)

iv) फसल के किन आवश्यक तत्वों का कवि ने पद्यांश में वर्णन किया है ? (1)

अथवा

बादल गरजो!
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ !
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के–से पाले,
विद्युत– छबि उर में, कवि नवजीवन वाले
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो–
बादल, गरजो !

i) प्रस्तुत कविता में बादल की तुलना किससे की गई है ? (1)

ii) किसके हदय में विद्युत छवि है ? (1)

iii) कवि को नवजीवन देने वाला क्यों बताया है ? (1)

iv) कवि और बादल में क्या समानता बताई गई है ? (1)

14) बाल गोबिन भगत की किन विशेषताओं के कारण उन्हें गृहस्थ होते हुए भी भगत कहा गया है ? (3)

अथवा

लेखिका पड़ोस कल्चर विहीन समाज को संकुचित, असहाय एवं असुरक्षित क्यों मानती है ?

15) ''आत्मकथ्य'' कविता में कवि जयशंकर प्रसाद ने जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की जो मार्मिक अभिव्यक्ति की है, उसे अपने शब्दों में लिखिए। (3)

अथवा

'ज्यौ जल माहँ तेल की गागरि बूँद न ताको लागति' पंक्ति के माध्यम से बताइये कि गोपियाँ सम्पूर्ण पद में उद्धव पर क्या व्यंग्य करती हैं ?

खण्ड – द
Section - D

16) यतीन्द्र मिश्र के कृतित्त्व एवं व्यक्तित्व के विषय में लिखिये। (4)

अथवा

कवि जयशंकर प्रसाद के कृतित्त्व एवं व्यक्तित्व के विषय में लिखिये।

17) 'साना–साना हाथ जोड़ि' अध्याय के आधार पर बताइए कि लेखिका ने अपनी सम्पूर्ण यात्रा को खोज यात्रा क्यों कहा है ? (4)

अथवा

'बाबूजी गुरूजी की चिरौरी करके हमें घर ले आए' माता का आँचल पाठ के आधार पर बताइए कि यदि ये घटना वर्तमान समय में होती तो बाबूजी की क्या प्रतिक्रिया होती ?

18) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखियेः (6)

1. आतंकवाद : एक समस्या
   - i) प्रस्तावना
   - ii) आतंकवाद का अर्थ
   - iii) आतंकवाद से उत्पन्न समस्या
   - iv) आतंकवाद से निपटने के उपाय
   - v) उपसंहार
2. पर्यावरण प्रदूषण
   - i) प्रस्तावना
   - ii) प्रदूषण के प्रकार
   - iii) प्रदूषण के कारण एवं प्रभाव
   - vi) पर्यावरण संरक्षण के उपाय
   - v) उपसंहार
3. अनुशासन का महत्व
   - i) प्रस्तावना
   - ii) अनुशासन की आवश्यकता
   - iii) अनुशासनहीनता से हानि
   - iv) अनुशासन का लाभ

v) उपसंहार

4. मेरी अविस्मरणीय यात्रा

i) प्रस्तावना

ii) यात्रा का आरम्भ

iii) यात्रा का अनुभव

iv) यात्रा के अविस्मरणीय होने का कारण

v) उपसंहार

19) स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोपालपुरा का महेश मानकर प्रधानाचार्य से विद्यालय में खेल सप्ताह मनाए जाने हेतु एक प्रार्थना–पत्र लिखिए। (4)

अथवा

स्वयं को रतनगढ़ निवासी राघव मानते हुए अपने मित्र को पुस्तकों का महत्व बताते हुए एक पत्र लिखिए।

20) निर्धन महिलाओं द्वारा बनाई गई दरियों की बिक्री हेतु विज्ञापन लिखिए। (4)

अथवा

व्यावसायिक शिक्षा छात्रों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की प्रदर्शनी देखने आने हेतु एक विज्ञापन लिखिए।